

मध्यप्रदेश शासन
वित्त विभाग

क्रमांक १४२०/३२१६/७९ नि-१ चार भोपाल, दिनांक २८ नवम्बर ७९
प्रति,

शासन के समस्त विभाग,
अध्यक्षा, राजस्व मण्डल, चातरियार,
समस्त प्रशासनिक आगमन,
समस्त विभागों के अध्यक्ष,
समस्त जिलाध्यक्षा,
मध्यप्रदेश

विषय:- प्रवर श्रेणी वेतनमान में नियुक्ति होने पर वेतन का निर्धारण।

साधारण वेतन श्रेणी से प्रवर श्रेणी वेतनमान में नियुक्ति उच्चतर कर्तव्य अथवा जिम्मेदारी की नियुक्ति नहीं होती। अतः मूल नियम ३० के प्रावधानों के अनुसार प्रवर श्रेणी वेतनमान में स्थानापन्न नियुक्ति होने पर शासकीय सेवकों को स्थायी वेतन से अधिक वेतन मिलने की प्राप्ति नहीं आती। मूल नियम ३० के प्रावधानों को ध्यायपूर्वक करते हुये राज्य शासन ने निर्णय लिया है कि साधारण वेतन श्रेणी से प्रवर श्रेणी वेतनमान में स्थानापन्न नियुक्ति होने पर वेतन का निर्धारण मूल नियम २२.(a)(I.I) के प्रावधानों के अनुसार किया जावे अर्थात् प्रवर श्रेणी वेतनमान में नियुक्ति होने पर सामान्य वेतन श्रेणी में प्राप्त वेतन की स्टेज, प्रवर श्रेणी वेतनमान में हो तो, वेतन उसी स्टेज पर निर्धारित होगा, यदि ऐसी स्टेज न हो तो वेतन निचली स्टेज पर निर्धारित होकर अंतर व्यक्तिगत वेतन के रूप में मान्य किया जाकर उसे भविष्य में मिलने वाली वेतन वृद्धियों में समाया जावेगा। इन प्रकरणाओं में आगामी वेतन वृद्धि, सामान्य वेतन श्रेणी में, प्रवर श्रेणी वेतनमान में नियुक्ति की तिथि की प्राप्त वेतन की स्टेज पर की गई सेवा प्रवर श्रेणी वेतनमान में वेतन वृद्धि हेतु विचार में ली जाकर देय होगी। जिन प्रकरणाओं में प्रवर श्रेणी वेतनमान का न्यूनतम वेतन सामान्य वेतन श्रेणी में प्राप्त वेतन से अधिक होगा, उन प्रकरणाओं में शासकीय सेवक का वेतन, प्रवर श्रेणी वेतनमान की न्यूनतम स्टेज पर निर्धारित होगा तथा उन्हें आगामी वेतन वृद्धि, साधारण नियमों के अन्तर्गत वेतन वृद्धि प्राप्त करने के लिए निर्धारित आवश्यक सेवा पूर्ण होने पर प्राप्त होगी।

२- इस संबंध में यह भी स्पष्ट किया जाना है कि जिन प्रवर श्रेणी पदों के लिए वेतन निर्धारण बाकत अलग से निर्देश प्रसारित किये गये हैं उन प्रवर श्रेणी

